अनुसंधान दर्शिका द्वितीय भाग

खण्ड – क

एम.डी. आयुर्वेद शोध प्रबन्ध सारांश

अनुक्रमणिका

6 – मौलिक सिद्धान्त

क्र. सं.	शीर्षक का नाम		अध्येता का नाम	पृ.सं.
	1992			
1.	''समानगुणाभ्यासो हि धातूनां वृद्धिकारणम्'' आयुर्वेदीय मौलिक सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में कार्श्य रोग में वृंहणीय महाकषाय का प्रायोगिक अध्ययन	:	डा. शंकर लाल शर्मा	1
2.	विचर्चिका व्याधि की सैद्धान्तिक अवधारणा एवं उसका विनिश्चितीकरण	:	डा. भैरोसिंह मीणा	2
3.	''प्राकृतः सुखसाध्यस्तु वसन्त शरदुद्भवः'' प्राकृत ज्वर सिद्धान्त पुष्ट्यर्थ ''लङ्घनं स्वेदनं कालः'' इस चिकित्सा सिद्धान्त का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन	:	डा. सुरेन्द्र कुमार शर्मा	3
	1994			
4.	वातोदर में अग्नि विकृति विनिश्चय तथा रसोन तैल प्रायोगिक अध्ययन	:	डा. महेश कुमार गुप्ता	5

5.	आयुर्वेद में मानस प्रकृति की अवधारणा का समीक्षात्मक अध्ययन सात्विक प्रकृति के संबंध में	:	डा. महेश कुमार शर्मा	6

1995

6.	आमातिसार (Amoebiasis) में ''पाचनं संग्रहणं देयम्'' (च.चि. 19/15 चक्रपाणि) सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में धान्यपंचक क्वाथ का विश्लेषणात्मक अध्ययन	:	डा. लुट्टन लाल अहिरवाल	7
7.	''निदानदोषदूष्यविशेषेभ्यो विकारविघातभावाभाव प्रतिविशेषा भवन्ति'' के परिप्रेक्ष्य में अवसाद रोग का अध्ययन	:	डा. नित्यानन्द शर्मा	8

1996

8.	A Comparative study of the efficacies of Basti Karma and Agni Karma on Gridhrasi (Sciatica) with special reference to "Pratyekam Sthanadusyadi kriya vaisesyamacharet"	:	Dr. S.R. Santosh	9

1997

9.	''तस्माच्चिकित्सार्धमिति ब्रुवन्ति सर्वा चिकित्सामपि बस्तिमेके'' सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में रोग एवं दोषानुयायी बस्ति प्रयोग	:	डा. विष्णु प्रिया मिश्रा	10

10.	''रक्तजांस्तान् विभावयेत्'' सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में आमवात रोग पर रक्तशोधकावलेह का विश्लेषणपरक अध्ययन	:	डा. प्रेम दाधीच	12
11.	अष्टांगसंग्रह एवं अष्टांगहृदय सूत्र स्थान का तुलनात्मक अध्ययन	:	डा. मदन मोहन पाराशर	13
	1998			
12.	Aesthetic in Ayurveda and Personality damaging factors with special reference to Prabha to enrich the Principle	:	Dr. Trupti R. Singh	14
13.	प्राचीन ग्रन्थों में उल्लिखित मन एवं मानसरोगों का विवेचनात्मक अध्ययन	:	डा. कमल चन्द शर्मा	15
14.	हेतु व्याधिविपरीत सिद्धान्तानुरूप मधुमेह रोग पर मधुमेहारि चूर्ण का प्रायोगिक अध्ययन	:	डा. सविता	16
	1999			
15.	''यत्किंचित् कफवातघ्नं.....''(च.चि. 17/147) सिद्धान्त पुष्ट्यर्थ शट्यादि चूर्ण का अनूर्जताजन्य तमक श्वास के परिप्रेक्ष्य में सैद्धान्तिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन	:	डा. निशा गुप्ता	17
16.	बहिः परिमार्जन क्रम में प्रदेह प्रयोग एक सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक विश्लेषण	:	डा. निशि चावला	18

2001

17.	''यथादोषं प्रकुर्वीत भैषज्यं पाण्डुरोगिणाम्'' च.चि. 16/123 सिद्धान्त पुष्ट्यर्थ कफज पाण्डुरोग के परिप्रेक्ष्य में नवीन कल्पनापरक गोमूत्र हरीतकी का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. रेखा दाधीच	19
18.	''स्रोतः सु च विशुद्धेषु चरत्यविहतोऽनिलः'' के परिप्रेक्ष्य में तमक श्वास में मनःशिलादि धूमपान का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. राजेन्द्र सिंह मीणा	20
19.	''समानगुणाभ्यासो हि धातूनां वृद्धिकारणम्'' सिद्धान्त पुष्ट्यर्थ अस्थिक्षयज विकारों में ''बस्तयः क्षीरसर्पीषि तिक्तकोपहितानि च'' सूत्र का समीक्षात्मक अध्ययन	:	डा. पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा	22
20.	''अपानेनावृते सर्वं दीपनं ग्राहि भेषजम्। वातानुलोमनं यच्चः ।।'' सिद्धान्त पुष्ट्यर्थ कफावृतापान (आमातिसार) में धान्यकादि क्वाथ का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक विवेचन	:	डा. महेन्द्र कुमार जैन	24
21.	''भेषजैः साध्ययाप्यांस्तु क्षिप्रं भिषगुपचारेत्'' (च.चि. 17/69) सिद्धान्त पुष्ट्यर्थ श्रृंग्यादि चूर्ण का तमक श्वास के परिप्रेक्ष्य में सैद्धान्तिक एवं चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. विष्णु दत्त जोशी	25

2002

22.	''तेषांक्षयवृद्धि शोणितनिमित्ते'' सिद्धान्त पुष्ट्यर्थ रसप्रदोषज विकार ''क्लैब्य'' के परिप्रेक्ष्य में बल्य महाकषाय प्रयोग– एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	:	डा. मदन लाल सैनी	26
23.	''श्लेष्मलाया कटुप्रायाः समूत्रा बस्तयो हिताः'' (च.चि. 30/85) सिद्धान्त पुष्ट्यर्थ श्लेष्मला योनि व्यापद् रोग परिप्रेक्ष्य में गोमूत्र युक्त त्रिफला क्वाथ की उत्तरबस्ति एवं उदुम्बरादि तैल पिचु धारण का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. निधि भट्ट	27
24.	Learning Methodology in Ayurveda a critical review in context of Modern Era.	:	Dr. Asit Kumar Panja	28
25.	Comparative study of Charak's Dietary principles with Modern Dietetics	:	Dr. Ajay Nawale	29
26.	''व्याधि प्रत्यनीक'' सिद्धान्तानुक्रम में सोरियासिस त्वक् रोग पर सोमराजी चूर्ण एवं सोमराजी तैल का सैद्धान्तिक एवं चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. भंवर लाल जाटोलिया	30
27.	''क्रिया कफघ्नी कफमर्मरोगे'' (च.चि. 26/96) सिद्धान्त पुष्ट्यर्थ उदुम्बरादि लेह सगुग्गुलु का कफज हृद्रोग के परिप्रेक्ष्य में (धमनी–काठिन्य के सन्दर्भ में) सैद्धान्तिक एवं चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. देवेन्द्र सिंह चाहर	31

28.	चरकोक्त स्वस्थचतुष्क का समीक्षात्मक अध्ययन एवं युगानुरूप संदर्भ में अपेक्षायें	:	डा. विनोद कुमार लवानियां	33

2003

29.	''विरुद्धं तच्च न हितं हृत्संपद्विधिभिश्च यत्'' सिद्धांत पुष्ट्यर्थ विरुद्ध द्रव्य का आधुनिक परिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन	:	डा. मनोहर राम	34
30.	अनुसन्धानात्मक वैशिष्ट्य क्रम में मधुमेहारि चूर्ण का मधुमेह रोग में प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. शिव दयाल शर्मा	35
31.	''आमवाते पंचकोलसिद्धं पानान्नमिष्यते'' सिद्धान्त पुष्ट्यर्थ आमवात रोग में पंचकोलसिद्ध पानान्न के प्रभाव का अध्ययन	:	डा. मुरलीधर पालीवाल	36
32.	''सूत्रस्थाने तु वाग्भटः'' के परिप्रेक्ष्य में अष्टांगसंग्रह सूत्रस्थान का समीक्षात्मक अध्ययन	:	डा. उमाशंकर शर्मा	37
33.	संहिताओं में गोरस वर्ग का स्वरूप एवं समन्वयात्मक विवेचन	:	डा. योगेश कुमार	38

2004

34.	Development of Ayurveda in India after independence - A critical study	:	Dr. Sur Shyam Singh	39

35. चरकसंहिता में वर्णित मन एवं मनोवैज्ञानिक विषयों का विवेचनात्मक अध्ययन एवं मनोरोगों में उनकी उपादेयता : डा. राजेश उपाध्याय 40

36. चरकोक्त वादमार्गों का विश्लेषणात्मक अध्ययन : डा. विशाल कुमार शर्मा 41

2005

37. ''मेध्या विशेषेण च शङ्खपुष्पी'' (च.चि. 1/3/31) चरकोक्ति का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन : डा. कमलेश कुमार शर्मा 42

38. ''व्यङ्गः रक्तप्रदोषजः'' (च.सू. 28/12) संदर्भ पुष्ट्यर्थ रक्तचन्दनादि लेप का विश्लेषणात्मक अध्ययन : डा. प्रेम सिंह माली 43

39. ''स्वल्पं मुहुर्मूत्रयतीह वातात्'' (च.चि. 26/34) सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में मूत्रकृच्छ्र रोग में मूत्र विरेचनीय महाकषाय का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन : डा. लोकेश चन्द्र शर्मा 44

40. ''व्याधि प्रत्यनीक'' सिद्धान्तानुक्रम में न्यग्रोधादि चूर्ण का मधुमेह रोग पर सैद्धान्तिक एवं चिकित्सात्मक अध्ययन : डा. हंसराज शर्मा 46